

Title of Mss. Gayan Ratna

Language : Assamese

No. of Folios: 6

Materials : Paper

Conservation: Preventive/Curative

Performed by KKHL, MCC: GU

National Mission for manuscripts,  
New Delhi,

Date : 29-10-06

(3)

উইটন বস্তু / সর্বন-মন্ত্র /  
উল্লেখ্য / ১ - উল্লেখ / Condition  
not so good / লেখা ২৬ x ৬  
১৪, ৩৫ ৭ গুলিওই উল্লেখ

Chidananda Goswami  
KKHL MRC Catalogue

श्री

श्रीरुद्रो शिवि वाभ = रसाग्निनाभ वाभूरुद्र विरु उरुगर्भोभ = उरुनाथुन गुग्गुलु  
रुग्गुलु निषाकाव अननु अरुकायु रुरुयु कभलाकायु भाधयु भधुमुधन रेकंयु  
वाभून निषाभयु सधानन्यसनउन आभूनाउ मिताभवे वरुसभै गधासाभू  
सर्वानन्य मरुन्य निवर्णन वनभालि = विमिरकन्य निडानन्य ठिडानन्य निवि  
काय उरुगधानन्य नवउभ सुधव रुसाउि सयनागउरुगालक अउिउसावून दम्यशास =  
रुग्गुलु सागव पायायसागव सुसुर्गुगालक मुरुकुडिपाथक शंयनाभयभूर्डिउरुनिवा  
रुद्रु एकनाभ विरुभन्य वः श्रीरुद्रुएनभूः श्रीगुविन्धायुनभूः श्रीगुदएनभूः

आठ-इविगुवउविम्यारमकुडिदिम्याइलउयमारव=भूनभंनुदिव=१म=  
आभगुउरवभनादिव=उरकमभकियाभनावूरन=अीरुके १रे१कनाभ ५  
मभकियाभानाउरुमिव-५ अरुवठाविनाभरय मिरावान्किय १रेकरम  
भानाभंनुदिव ५ आठ अीरुकाएनभूं अीगुविनाएनभूं अीवपूरदवगुव  
अीठवरनभूं ५ भानाभंनुदियावदिधि ५ अुभरभठाविमवन रनेरे विमय  
दिमभकमिव ५ अरेठफानुवइव ५ उउियागुवउआअुय कवि=आठाव  
रवइवनाभभंनु गुरुवसायउसायसुधिनवऊनव १ धनवरकादिमाडि

श्री २

अनुसाख रपरकरु सभामिद २ गुरुकुचकने २ मिन्वुवमिषु अकुनाभ  
 उमिद=५ यभा अरुउ रकमभं विरुं शविं मरथं उनाभनें शमीनावायून -  
 ठेवदिकु नाभाकुं मूउ; एरेनाभमिरव इरुदिउमिद आठ= मिरठ -  
 गुरुव यमिनसाभउधयिव-५ गुरुववाभकनुउ ठायिवावमनाव-५ उभा ५  
<sup>गुरुव</sup> ~~रु~~ रुकु शिविवाभ एरेठाविनाभदिव-२७ गुरुव भाला या २१ गुरुव -  
 भाला-१ धायकविदिव ५ आठ- शविगुरुउ विन्नास उकउश्व- एरव रुकाव -  
 भालावउठुकव ५ उकउषउठु गुरुवउउ नाभउठु उकउवउठु एरेठकन

एवञ्जारेदिव = गुणउठु उकउठउठु नामवउठु वृजिव = गुणकिभवूरन  
सहस्रमननिव सार्धुभाकि = उक्तिरका नरव ~~वि~~ = शेरठ - रमरेगुवर  
ग्रेरुदयउ भाकि सकल रेन्द्रियक म्भभ्रभादि सुगकषाणेठ = २  
विउरवश्रिय वाश्रिय गुषु एरकउरन प्रेनाभधायि जिभगनक उंका व  
काशिरठर एरकश्रियगुषुक २ एकवृनिजानिवा एरकनेठवकमान्  
ग्रेगुवउठु नामवभ्रभ्र - शाशिनारभ एक एकनारभ रेन्ववगुविन्द २  
सउगुरनायिकु ककुनाभ विनउरनगउभादे विगुषुनवृश्रककुनाभ उरव

अत्रे- कस्यरा नायन मूसारदविसु इसारदइव विसारदविसु वासारद-  
 वाधा- भसारदविसु = ५ = क को व न एरे असारदउ वसार- अननु मित्  
 मी धर्म ठाविसुऊ भकायउ- भशविसु क को व न क यू इ वि वा भ =  
 एरेयस असारदउ भन्तु नूर्म नव मिर्द वाभून मयसूवाभ इनिवाभ  
 वायाइ लीवाभ वृध कान्कि ५ एरेयस असारदउ वासाइल अकायसूवुवुधम  
 रुक्कउरानिवा एरेनाभवभुडि उरभा निगुन रुक्कभासा- समवि सादिक  
 यिकु रुक्कनारभठयन इयिनारभइदि वाभनारभासिच रुक्कना-  
 भनारभ रकस वासूरायवुनारभ कियिउ विक्कनारभउलक ५ ५

ऊननाभनारभ भूम-ऊनार्धननारभ धनु = गुणानकमान उरुदने =  
निषाकावनारभ शरु-२ अननु अरुथनारभ नासिकादुरे एकप्रयकभना -  
कानुनारभ ठरेभूदुरे भाद्रवमधुसूचननारभ कर्केदुरे खेकन्ववाभननारभ  
सुवदुरे निषाभयनारभ कन् सदानन्दननाउन ~~सामना~~ मिताभय-  
वृथाविनारभ ठाविवाक ठफनमी गंदासभू नारभ ठाविप्रसु-सर्व  
नन्दनारभ उदय भूकंठुनारभ नासि निषऊननारभ निधि यनभालि  
नारभ गुरेथे ससभससस ससभभानन्द नारभ उरुदने सुकवुसु  
आनुदने भूयासिसुकेसुठम नारभ ऊरुधीदुरे धाभुदय हरमिरकसय



क ये व न उ एकवर्त्तु अरुधकभारक र बुद्धोअननु मियधर्म  
निवर्त्तुन अभिविजल सउवाउ भाकाम मय उँन आनन्ध -  
अननु ठेयन र साविधु लक्ष्मि दुर्गा सबठति थाधा- सारनक  
साधिक अभिन्न सायल्य साउग गुरेनारभव संकउउ बुजिवा-  
भालावअर्भ- एकसवनिद्रा उरुगुति रभूरभउरवि उदिअरभ  
विन्का थाधाउदि भाउरभक गुति भाला ए ए अरुक र अरु र वात्म ७ २  
नावरद ४ कम्मिल ७ सुप्रान ३ अम्वयिम १ अणुय २ उँधव ७ वि लि सन ७  
अनुभनु ७ मार्कन्य २ रथाधिमि २ अम्वभभा २४ इमाठाय १७ लिम्भु २३

श्री ४

रघुव-२१ बलि-२२ मनउकभाए २३ मनक २० मूनन्ध २३ मनाउन २२ २१  
 मयवुउ २३ कुआनमाय २४ आठियहि २३ वीरु २३ अंधू २९ रेक्काकु २४ २  
 मूखबूया २० भूर्वकन्ध ३० उनक ३१ गोधि ३२ वयधू ३३ मगव ३४ गयो ३५ २  
 लनेस ३३ भाकाता ३९ अलक ३४ मउधनु ३० वडिदर ४० दिलिअ ४१ २  
 मेकवि ४२ कुउध- ४० मिदि ४४ एदवण ४५ अयासव ४३ विद्व ४९ २  
 कुविमान ४४ एउउरदर ४० वुअमा ५० मिदि ५० गरनम ५२ रेन्ध ५३ = २  
 मयधुव ५४ यध ५५ अयुवि ५३ र्हुभुनि ५९ रेमनमायन ५४ म्नीयाम ५० ५  
 मिभू ३० कुवभ ३३ वरगन ३२ कवि ३३ इदि ३४ अनुविमी ३५ अरुध ३३

अस्मिन्नाह ३१ आदि ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

नारम

सुकारुसभ्रायसखा नभुवावःइस्त्रियावृद्धि - अथिदिउवि रमोठरनेउहावा =  
 नभुसर्काणीवृत्ति ७ उठासविभाषि उउवकसुत्सवगंरवा अननुनारभ भाउिनिवा  
 खाभनारभ सानिनवा - नभुभुधुसुधननारभ भुभधुवा - नभुनावायनग<sup>७</sup>धुवालि  
 ७ साधुवा - नभुनिषुउनवृत्तिमाभुठिवा - वासुत्तयवृत्तिठुयिधुलवा - विस्वनाभ  
 नारभठुनिठिवा - उगा<sup>भ</sup>वृत्तिवा<sup>भ</sup>निवा - भुनभभुरयनिभावा<sup>भ</sup>निवा इविवृत्ति  
 गमा<sup>७</sup>यउनामिवा अननुवृत्तिउंमिवा २ ०० २ नस्य अनवाधरभाभिवा सु सु

उदुभभुवा २